C.B.S.E Board
कक्षा : 10
हिंदी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1)=[9]

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है, किंतु विष भरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाव से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं। कटुभाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

1. किन गुणों के कारण मनुष्य आदर का भाजन बनता है?
2. मधुर भाषी के लिए क्या आवश्यक है?
3. सामाजिक व्यवहार के लिए क्या आवश्यक है?
4. भाषा की सार्थकता किसमें है?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :2x3=[6]

कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
भिन्न-भिन्न यदि देश हमारे तो किसका संसार
धरती को हम काटें छाटें,
तो उस अम्बर को भी बाँटें,
एक अनल है, एक सलिल है, एक अनल संचार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
एक भूमि है, एक व्योम है
एक सूर्य है, एक सोम है
एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपाकार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?

1. जन्मभूमि के विस्तार से कवि का क्या आशय है?
2. देशों की भिन्नता को महत्त्व क्यों नहीं दिया जा सकता?
3. एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपाकार से क्या आशय है?

खण्ड ख

प्र. 3. शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। 1+1=[2]

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=[3]

(क) मोहन हँसकर बोला। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) राधा नाचती - गाती है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]
कुसुमकोमल, राधा- कृष्ण
(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=[2]
रातोंरात, बेशक

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]
(क) मैं यह काम नहीं किया हूँ।
(ख) सिंह बड़ा बीभत्स होता है।
(ग) उसे भारी दु:ख हुआ।
(घ) सविता ने जोर से हँस दिया।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [2]
मुँह फेरना, ठुकरा देना

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]
क) वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?
ख) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?
ग) जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

प्र. 8 ब सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी? [5]

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]
क) दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है ? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

ख) सच्चे मन में राम बसते हैं – बिहारी दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

ग) पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?

प्र. 9 ब अंत में आत्मत्राण कविता में कवि क्या अनुनय करता है? [5]

प्र. 10. नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? [5]

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 1 एक अनुच्छेद लिखिए : [5]

- 'बेरोज़गारी'
- 'आतंकवाद'
- वर्तमान युग में इंटरनेट
- आतंकवाद की समस्या

प्र.12. पुरानी एवं फटी हुई किताबें भेजने के विरोध में शिकायती पत्र लिखिए। [5]

प्र. 13. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग करते हुए प्रार्थना कीजिए। [5]

प्र. 14. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए : [5]

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

वजन बढ़ाने संबंधी दवाई कंपनी द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2x4) (1×1)=[9]

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है, किंतु विष भरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाव से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं। कटुभाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

1. किन गुणों के कारण मनुष्य आदर का भाजन बनता है?

उत्तर : वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है। मनुष्य का समाज पर जो असर पड़ता है वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है। मधुर भाषी होने के साथ उसकी कथनी और करनी में भी समानता उसे आदर का पात्र बनाती है।

2. मधुर भाषी के लिए क्या आवश्यक है?

उत्तर : मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है।

3. सामाजिक व्यवहार के लिए क्या आवश्यक है?

उत्तर : सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता।

4. भाषा की सार्थकता किसमें है?

उत्तर : भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'मधुर बोली' है।

प्र. 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :2x3=[6]

कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
भिन्न-भिन्न यदि देश हमारे तो किसका संसार
धरती को हम काटें छाटें,

तो उस अम्बर को भी बाँटें,
एक अनल है, एक सलिल है, एक अनल संचार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
एक भूमि है, एक व्योम है
एक सूर्य है, एक सोम है
एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपाकार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?

1. जन्मभूमि के विस्तार से कवि का क्या आशय है?

   उत्तर : जन्मभूमि के विस्तार से कवि का आशय बँटवारे से है। कवि कहते हैं कि मनुष्य ने अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए धरती को विभिन्न देशों में बाँट दिया है। कवि कहते हैं की जन्मभूमि के नाम पर हम धरती को कितने भागों में और कितना विस्तार करते जाएँगे।

2. देशों की भिन्नता को महत्त्व क्यों नहीं दिया जा सकता?

   उत्तर : कवि के अनुसार ईश्वर ने धरती, वायु, जल, आकाश को बनाते समय नहीं बाँटा तो हम विस्तार के नाम पर इस भूमि को कैसे बाँट सकते हैं। इसलिए देश कि विभिन्नता को इतना अधिक महत्त्व दिए जाने की आवश्यकता नहीं है।

3. एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपाकार से क्या आशय है?

   उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय मनुष्य की एक ही प्रकृति परंतु अलग-अलग रूप-गुणों से हैं।

खण्ड ख

प्र. 3. शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। 1+1=[2]

उत्तर : उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है।

जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

हिन्दी में पद पाँच प्रकार के होते हैं -

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया
5. अव्यय

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=[3]

(क) मोहन हँसकर बोला। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : सरल वाक्य

(ख) राधा नाचती - गाती है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : राधा नाचती है और गाती है।

(ग) निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : निधि रातभर पढ़कर परीक्षा देने की तैयारी करती है।

प्र. 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=[2]

कुसुमकोमल, राधा- कृष्ण

उत्तर : कुसुमकोमल - कुसुम के समान कोमल- कर्मधारय समास
राधा-कृष्ण - राधा और कृष्ण - द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :1+1=[2]
रातोंरात, बेशक
उत्तर : रातोंरात = रात-रात ही रात में - अव्ययीभाव समास
बेशक = बे-शक के बिना - अव्ययीभाव समास

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1x4=[4]

(क) मैं यह काम नहीं किया हूँ।
उत्तर : मैंने यह काम नहीं किया है।

(ख) सिंह बड़ा बीभत्स होता है।
उत्तर : सिंह बड़ा भयानक होता है।

(ग) उसे भारी दु:ख हुआ।
उत्तर : उसे बहुत दु:ख हुआ।

(घ) सविता ने जोर से हँस दिया।
उत्तर : सविता जोर से हँस दी।

प्र. 7. निम्नलिखित मुहावरों के हिंदी अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [2]
मुँह फेरना, ठुकरा देना
उत्तर :
1. मुँह फेरना : उपेक्षा करना।
वाक्य : राम के बुरे दिन आते ही सभी ने उससे मुँह फेर लिया।
2. ठुकरा देना : किसी काम या बात पर सहमति न देना
वाक्य : बेटे ने पिता की सही राय को ठुकरा दिया।

खण्ड ग

प्र. 8 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

उत्तर : वामीरो सागर के किनारे गा रही थी। अचानक समुद्र की ऊँची लहर ने उसे भिगो दिया, इसी हड़बडाहट में वह गाना भूल गई।

ख) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

उत्तर : बड़े भाई होने के नाते वे अपने छोटे भाई के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना चाहते थे। उन्हें अपने नैतिक कर्तव्य का ज्ञान था वे अपने किसी भी कार्यों द्‌वारा अपने छोटे भाई के सामने गलत उदाहरण रखना नहीं चाहते थे जिससे कि उनके छोटे भाई पर बुरा असर पड़े। इसलिए बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छा दबानी पड़ती थी।

ग) जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?

उत्तर : लेखक के अनुसार अब जीवन छोटे डिब्बे जैसे घरों में सिमटने लगा है।

प्र. 8 ब सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी? [5]

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की विशेष और बड़ी अहम् भूमिका रही है। स्त्रियों ने अपने-अपने तरीकों से जुलूस निकाला। जानकी देवी और मदालसा बजाज जैसी स्त्रियों ने जुलूस का सफल नेतृत्व किया। झंडोत्सव में पहुँचकर मोनुमेंट की सीढियों पर चढ़कर झंडा फहराकर घोषणापत्र पढ़ा। करीब 105 स्त्रियों ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी दी और अंग्रेजों के अत्याचार का सामना किया।

प्र. 9 अ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=[5]

क) दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है ? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि के अनुसार जिस प्रकार दीपक के जलने पर अंधकार अपने आप दूर हो जाता है और उजाला फैल जाता है। उसी प्रकार ज्ञान रुपी दीपक जब हृदय में जलता है तो अज्ञान रुपी अंधकार मिट जाता है। यहाँ दीपक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है और अँधियारा ज्ञान का प्रतीक है। मन के विकार अर्थात् संशय, क्रोध, मोह, लोभ आदि नष्ट हो जाते हैं। तभी उसे सर्वव्यापी ईश्वर की प्राप्ति भी होती है।

ख) सच्चे मन में राम बसते हैं – बिहारी दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी जी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में निहित है। बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धर्म कर्मकांड को दिखावा समझते थे। माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने से प्रभु नहीं मिलते। जो इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं वे झूठा प्रदर्शन करके दुनिया को धोखा दे सकते हैं, परन्तु भगवान राम तो सच्चे मन की भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

ग) पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?

उत्तर : पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर अपनी उच्चाकांक्षाओं के कारण देख रहे थे। वे बिल्कुल मौन रहकर स्थिर रहकर भी संदेश देते प्रतीत होते हैं कि उद्धेश्य को पाने के लिए अपनी दृष्टि स्थिर करनी चाहिए और बिना किसी संदेह के चुपचाप मौन रहकर अपने लक्ष्य की ओर

अग्रसर होना चाहिए। आकांक्षाओं को पाने के लिए शांत मन तथा एकाग्रता आवश्यक है।

प्र. 9 ब अंत में आत्मत्राण कविता में कवि क्या अनुनय करता है? [5]

उत्तर : इस पूरी कविता में कवि ने ईश्वर से साहस और आत्मबल माँगा है अंत में कवि अनुनय करता है कि चाहे सब लोग उसे धोखा दे, सब दुख उसे घेर ले पर ईश्वर के प्रति उसकी आस्था कम न हो, उसका विश्वास बना रहे। उसका ईश्वर के प्रति विश्वास कभी न डगमगाए। सुखों के आने पर भी ईश्वर को हर क्षण याद करता रहें।

प्र. 10. नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? [5]

उत्तर : नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन उदास हो उठता था क्योंकि उनके परिवार की आर्थिक स्तिथि अच्छी न होने के कारण उन्हें हेडमास्टर साहब द्वारा प्रबंध की गयी पुरानी किताबें ही मिलती थी। वे भी अन्य बच्चों की तरह नयी श्रेणी में नयी कापियाँ और किताबें चाहते थे जो उन्हें नहीं मिल पाती थी इसलिए वे उदास हो जाते थे।

खण्ड घ

प्र. 11. दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 1 एक अनुच्छेद लिखिए : [5]

'बेरोज़गारी'

देश में बेरोज़गारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है।

भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है। बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

'आतंकवाद'

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते हैं। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा

विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आतंकवाद जीवन के सही बोध के अभाव से जन्म लेता है। जब तक मानव जाति को वह बोध उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, मानव जाति को आतंकवाद से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक आदि सभी स्तरों से प्रयास किए जाने चाहिए।

वर्तमान युग में इंटरनेट

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इंटरनेट से तात्पर्य एक ऐसे नेटवर्क से है जो दुनिया भर के लाखों करोड़ों कम्प्यूटरों से जुड़ा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। इंटेरनेट की संकल्पना ने "गागर में सागर" को चरितार्थ कर दिया है।

आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सबकुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम

भूमिका निभाई है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी।
इसका दुरुपयोग भी होता है - वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बेंक में से पैसे निकाल लेना आदि। समय की माँग है कि अंतरजाल पर घटित हो रही अवांछित गतिविधिओं पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

आतंकवाद की समस्या

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते है। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।
आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है।
आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।
भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती

करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

प्र.12. पुरानी एवं फटी हुई किताबें भेजने के विरोध में शिकायती पत्र लिखिए। [5]

प्रति
श्री व्यवस्थापक
अवनी भवन
प्रकाशक एवं वितरक
नागपुर
दिनाँक - 11 जून 200x
विषय : पुस्तकों के बारे में शिकायती पत्र
महोदय,
आपकी भेजी हुई पुस्तक का पार्सल मुझे कल ही प्राप्त हुआ। धन्यवाद। आपको सखेद यह सूचित करना पड़ रहा है कि इन पुस्तकों में से 'व्याकरण वाटिका' की किताब फटी हुई है और 'तीसरा आदमी' की किताब बहुत पुरानी हैं। इसलिए ये पुस्तकें मैं आज ही पोस्ट-पार्सल से लौटा रहा हूँ। कृपया इस विषय में आप स्वयं ध्यान दे और नई पुस्तकें शीघ्र भिजवा देने की व्यवस्था करें।
आप के समुचित सहकार की अपेक्षा है। कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।
भवदीय
विलास शर्मा

प्र. 13. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग करते हुए प्रार्थना कीजिए। [5]

सेवा में,
प्रधानचार्य
सरला विद्यालय
मानिकपुर
विषय : कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग के बारे में विनती पत्र।

आदरणीय प्रधानचार्य,
मैं विद्यार्थी परिषद का सचिव होने के कारण आपसे कक्षा में उपयोग आने वाली कुछ वस्तुओं की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ। हमारी कक्षा दसवीं 'अ' में नोटिस लिखने के लिए नोटिस बोर्ड, अतिरिक्त पुस्तकें रखने तथा जरूरी सामान रखने के लिए कपाट नहीं है। जिसके कारण हमें काफी असुविधा होती है।
आशा करता हूँ कि आप हमारी इस समस्या की ओर ध्यान देकर इसे जल्द-जल्द से सुलझाने का प्रयास करेंगे।
भवदीय
रोहन शर्मा
सचिव

प्र. 14. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए : [5]

राधिका : अरे ! सोहन की माँ सुनती हो?
मधु : हाँ बोलो।
राधिका : आज फिर पानी नहीं आया।
मधु : हाँ, यह तो रोज का ही रोना हो गया है।
राधिका : हम मोहल्ले को मिलकर नगरपालिका ऑफिस में शिकायत करनी चाहिए।
मधु : तुम सही कह रही हो।
राधिका : आज मैं सेक्रेटरी साहब से कहकर मीटिंग बुलवाती हूँ।
मधु : हाँ, सब मिलकर कुछ समाधान निकाल लेंगे।
राधिका : चलो बहन, फिर मैं सेक्रेटरी साहब से बात कर आती हूँ।
मधु : अच्छा, ठीक है।

प्र. 15. निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : [5]

वजन बढ़ाने संबंधी दवाई कंपनी द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

हेल्दी वेट टॉनिक

क्या आप वजन बढ़ाना चाहते हैं........?

.....तो आज ही लाइए हेल्दी वेट टॉनिक।

सिर्फ़ दो महीने में पाईए मन चाहा वजन।

वी.सी.सी

हेल्दी वेट टॉनिक

मेडिकल स्टोर में उपलब्ध